(iv) Alleged closure of drug manufacturing companies in Bomb (fl Thane region.

SRI AJIT KUMAR SAHA (Vishnupur): Some of the companies, manufacturing drugs and pharmaceuticals in Bombay—Thane Region of Maharashtra State have affected the production of life saving and essential drugs through closures and lock-outs. Some of these companies are M/s. Gufic Labs., Bombay, M/s. Themis Pharmaceuticals (Prop: Chemosign Private Limited) Bombay, M/s. CIBA-Geigy Ltd., Bombay among others

Consequent to closure and lock-out a large number of workmen and their families are deprived of their only source of livelihood.

It is reported that large amounts of loans have been taken by M|s. Gufic Labs., Bombay and M|s. Themis Pharmaceuticals (Prop. Chemosign Private Ltd.) Bombay and nationalised banks and other public financial institutions.

Each of these companies having many subsidiaries and associated companies having substantial interests. The capital, raw materials and labour are being frequently interchanged in these subsidiary and associated companies. The closure of these drug firms engendered serious industrial unrest among the workers of the entire pharmaceutical industry particularly in Bombay-Thane regin in Maharashtra which unless resolved, may seriously affect the production and availability of life-saving and essential drugs. Therefore, I urge upon the Government to investigate into the real reasons behind such closures and to find out whether the funds of the nationalised banks and public financial institutions were misused by the proprietors of these firms and whether any hindrance to the production of essential

detriment to the interest of the people of the country and harassment of labour have been caused.

(V) NEED FOR DECLARATION OF DR.
AMBEDKAR'S BIRTHDAY AS A
NATIONAL HOLIDAY.

श्री सत्यनारायण अदिया (उज्जैन): 14 ग्रप्रैल, भारतीय संविधान के निर्माता डा० ग्रम्बेडकर का जन्म दिवस है । वे भारतीय संविधान के रिचयता तो हैं ही उनका जीवन कार्य स्वयमेव प्रवाश-स्तम्भ की तरह ग्रनेकी ग्रनेक लोगों का सदैव पथ प्रशस्त करता रहेगा । वे शोषित पीडित दलित जनों की भावनास्रों की शास्वत ग्रभिव्यवित हैं। उन्होंने सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए सतत संघर्ष किया । वे अपने समय के प्रखर विद्वान तया विधि शास्त्री थे । उनका विचार सुधारवादी था । ग्रनरीका की कोलम्बिया यनिवर्सिटी में ऐंध्रोपोलाजी सेमिनार में दिनांक 9 मई, 1961 को ग्रपना शोध पत्र पढते हो कहा था "मैं ग्रपनी विचार-धारा को छोड़ने में नहीं हिचकि वाउँगा यदि कोई इससे क्षेष्ठ चीज पैदा करता है। मझे उसे छोडने में उतना ही हर्ष होगा जितना सदा के लिए विवादास्पद रहने वाले विषय पर बौद्धिक ग्रसहमति देखने में होता है।" स्रीर उन्होंने कहा थ। कि मैं जितना कार्य करके जा रहा हं, यदि उसे ग्रागे नहीं बढाया जा सके तो पीछे न जाने पाये । ऐसे महापुरुष जिनका कार्य देश श्रौर समाज के लिए सदा ग्रुविस्मरणीय है।

मैं केन्द्र सरकार से बात करता हूं कि 14 अप्रैल, को डा० अम्बेडकर के जन्म दिवस के उपलक्ष में राष्ट्रीय अवकाश घोषित कर उनके प्रति श्रद्धा और सम्मान प्रकट करें।

(vi) REPORTED SHORTAGE OF POWER FOR THE COMING ASIAN GAMES.

श्री रस्ते द मसूद : (सहारनपुर) : मैं इल 377 के तहत सरकार का ध्यान